History

Last Class

बासीम शाखा के वाकाटक [Vakatakas of the Basim branch]

वाकाटक वंश की इस शाखा की स्थापना 330 ई० में सम्राट प्रवरसेन के दूसरे पुत्र सर्वसेन ने की थी। उसने वत्सगुल्म नामक स्थान पर एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। वत्सगुल्म महाराष्ट्र के अकोला जिले में आधुनिक बासीम में स्थित था। 330-331 ई०

This branch of the Vakataka dynasty was founded in 330 AD by Sarvasena, the younger son of Emperor Pravarasena. He established an independent kingdom at a place called Vatsagulma. Vatsagulma was located in modern Basim in Akola district of Maharashtra.

वासीम शाखा के प्रमुख राजा सर्वसेन, विन्ध्यशक्ति द्वितीय (350-400 ई.), प्रवरसेन द्वितीय (400-415 ई.), हरिषेण (475-510 ई०)

The prominent kings of the Wasim branch were Sarvasena Vindhyashakti II (350-400 AD), Pravarsen II (400-415 AD), Harishena (475-510 AD).

rojgar with ankit

हरिषेण बासीम शाखा का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक था। यह वाकाटक वंश का अंतिम ज्ञात शासक है।

Harishena was the most powerful ruler of the Basim branch He is the last known ruler of the Vakataka dynasty.

वाकाटक वंश के राजा प्रवरसेन द्वितीय ने मराठी प्राकृतकाव्य सेतुबन्ध की रचना की तथा सर्वसेन ने हरिविजय नामक प्राकृत काव्य-ग्रंथ लिखा। संस्कृत की वैदर्भी शैली का पूर्ण विकास वाकाटक नरेशों के दरबार में हुआ।

King Pravarsen II of the Vakataka dynasty composed the Marathi Prakrit poem Setubandh and Sarvasena wrote a Prakrit poem called Harivijay. The Vaidarbhi style of Sanskrit was fully developed in the Court of the Vakataka kings.

कुछ विद्वानों का मत है कि चन्द्रगुप्त द्वितीय के राजकवि कालिदास ने कुछ समय तक प्रवरसेन द्वितीय की राजसभा में निवास किया था। वहीं उन्होंने उसेक सेतुबन्ध का संशोधन किया तथा वैदर्भी शैली में अपना काव्य मेघदूत लिखा

rojgar with ankit

Some Scholars believe that Kalidas, the court poet of Chandragupta II, lived in the court of Pravarsen II for some time. There he revised his bridge and wrote his poem Meghdoot in the Vaidarbhi Style.

वाकाटक नरेश ब्राह्मण धर्मावलंबी थे। वे शिव व विष्णु के उपासक थे।

The Vakataka kings were followers of Brahmin religion. They were worshippers of Shiva and Vishnu.

वाकाटक नरेश पृथ्वीसेन द्वितीय के सामन्त व्याघ्रदेव ने नचना के मंदिर का निर्माण करवाया। (मंत्री)

Vyadhradeva, a feudatory of Vakataka king Prithvisena II, built the temple of Nachna.

अजन्ता का सोलहवां तथा सत्रहवां गुहा विहार और उन्नीसवें गुहा चैत्य का निर्माण वाकाटकों के शासन काल में हुआ।

The Sixteenth and Seventeenth Caue viharas and the nineteenth Caue chaitya of Ajanta were built during the reign of the Vakatakas.

पागलपंथ विद्रोह

↳ बंगाल (असम) X

नील विद्रोह X

नील आंदोलन

सूफी आन्दोलन [Sufi Movement]

अबू हाशिम ने सबसे पहले सूफी शब्द का प्रयोग किया था।
Abu Hashim first used the word Sufi.

जो लोग सूफी संतों से शिष्यता ग्रहण करते थे, उन्हें मुरीद कहा जाता था। सूफी जिन आश्रमों में निवास करते थे, उन्हें खानकाह या मठ कहा जाता था।
Those who accepted discipleship from Sufi Saints were Called Murids The ashrams where Sufis lived were called khangal or monasteries.